मांग | अभी जबलपुर और नागपुर पर रहना पड़ता है निर्भर

अगर मिले स्टॉपेज तो महानगरों से जुड़ेगा सुकरी मंगेला

सुकरी मंगेला, नवभारत। जबलपुर से बालाघाट के बीच चलने वाली नैरोगेज ट्रेन को सालों पहले ब्रॉडगेज मेंपरिवर्तित कर दिया गया था। इस ब्रॉडगेज लाइन का उद्देश्य जबलपुर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में रह रहेलोगों को सुविधा मुहैया करना था। लेकिन यहां यात्री सुविधाओं में विस्तार हेतु मिले सभी आश्वासन कोरे साबितहो रहे हैं। यात्रियों सहित सामाजिक, धार्मिक संगठनों की अनेक माँगो के बावजूद किसी भी यात्री ट्रेन का स्टॉपेजसुकरी मंगेला को नहीं मिल सका है। यहां ब्रॉडगेज होने के पश्चात लगभग 5 वर्ष का समय गुजर जाने के बाद भीजो ट्रेन जबलपुर से बालाघाट और गोंदिया के बीच प्रारंभ हुई उनके स्टॉपेज में भी सुकरी मंगेला की लगातार उपेक्षाकिए जाने से स्थानीय लोगों में आक्रोश पनप रहा है। क्षेत्र के लोगों ने रेल मंत्रालय से अनेक बार यात्री सुविधा केविस्तार की गुहार लगाई लेकिन हर बार बस आश्वासन मिला। बस नहीं मिला तो सुकरी मंगेला को ट्रेनों कास्टापेज ! सस्ती यात्री सुविधा से वंचित स्थानीय लोगों ने जन प्रतिनिधित्व पर भी निष्क्रियता का आरोप लगाया है।

बड़े शहरों से नहीं कनेक्टिविटी

सुकरी मंगेला के स्थानीय निवासियों ने नवभारत को बताया कि नैरोगेज के समय यहां से सैकड़ों यात्री छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और आगे बड़े स्टेशन जैसे गोंदिया से पश्चिम बंगाल और ओडिशा के महानगरों के लिए यात्रा करते थे। परंतु अब आलम यह है कि यात्री ट्रेनों का स्टॉपेज ना होने के कारण सुकरी मंगेला के लोगों को महाराष्ट्र, पश्चिमबंगाल, छत्तीसगढ़ सहित अन्य दूसरे राज्यों की यात्रा के लिए जबलपुर या नागपुर की दौड़ लगानी पड़ती है। जोबहुत खर्चीली साबित हो रही है।

इन ट्रेनों के ठहराव की मांग

सुकरी मंगेला के निवासियों की माने तो यहां के ग्रामीण क्षेत्र में ट्रेन क्रमांक 11202 शहडोल नागपुर और 11702 मूकमाटी एक्सप्रेस जैसी अनेक महत्वपूर्ण ट्रेनों का स्टॉपेज रेलवे बोर्ड को देना चाहिए। इन ट्रेनों का जबलपुर औरमदन महल स्टेशन से छुटने के बाद सीधा नैनपुर में स्टॉपेज है, जो जबलपुर से तीन घंटे की दूरी पर है। जिसकेचलते इन ट्रेनों का लाभ ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को नहीं मिल रहा है। वही जबलपुर से 53 किमी दूर सुकरी मंगेलास्टेशन में ट्रेनों का सूखा होने के कारण लोगों में निराशा है। स्थानीय लोगो द्वारा वर्तमान सांसद से भी मिलकरज्ञापन देने की तैयारी की जा रही है। अगर सुकरी मंगेला को ट्रेनों का स्टॉपेज मिलता है तो इसका फायदा बरगी, लखनादौन, शिकारा जैसे आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी देखने को मिलेगा। यहां से सैकड़ों ग्रामों को सस्ती रेलयात्रा मुहैया कराने के साथ-साथ लाखों रुपए का राजस्व भी सुकरी मंगेला रेलवे स्टेशन जुटा सकता है।

इनका कहना है

अगर सुकरी मंगला को ट्रेनों का स्टॉपेज मिलता है तो यह बहुत बड़ी सौगात होगी। ग्रामीण क्षेत्र से स्वास्थ्य संबंधीसमस्या के लिए नागपुर आने जाने में सहूलियत मिलेगी।

शिव प्रसाद मरकाम, जनपद सदस्य, जनपद पंचायत जबलपुर

सुकरी मंगेला में ट्रेनों के स्टॉपेज का फायदा बरगी, लखनादौन जैसे अन्य छोटे ग्रामीण क्षेत्रों को भी मिलेगा। यहसुविधा ग्रामीण क्षेत्र के लिए एक बहुत बड़ी सौगात होगी।

चंद्र किरण, अध्यक्ष, जनपद पंचायत जबलपुर

छोटे-छोटे गांव से बड़े शहर जाकर पढ़ने वाले बच्चों के लिए एक्सप्रेस ट्रेनों का स्टॉपेज काम आएगा। रेलवे को इसपर विचार करना चाहिए।

आशा गोटियां, अध्यक्ष, जिला पंचायत, जबलपुर

अगर ट्रेनों का स्टॉपेज मिलता है तो हमारा सुकरी भी बड़े-बड़े शहरों से जुड़ जाएगा यह किसी सपने के सच होनेजैसा रहेगा।

गेंदालाल डहेरिया, प्रदेश अध्यक्ष, मानवाधिकार अपराध संगठन, मप्र

ट्रेनों का स्टॉपेज देना रेलवे बोर्ड के हाथों में रहता है। आप के द्वारा रखी गई बात को संबंधित विभाग तक पहुंचायाजाएगा।

सुस्कर विपुल विलासराव, सीपीआरओ, दपूमरे

पनागर सब्जी मंडी में गंदगी का लगा अंबार

नगर पालिक से कुछ दूरी पर है स्थित, जिम्मेदारों को मुंह चिढ़ा रही गंदगी

पनागर, नवभारत। नगर पालिका कार्यालय से महज कुछ ही दूरी पर स्थित मुख्य सब्जी मंडी में गंदगी की समस्या लगातार बनी हुई है। हैरानी की बात यह है कि जिम्मेदार विभाग के नजदीक होने के बावजूद यहां साफ-सफाई की स्थिति बदहाल बनी हुई है। मंडी में कचरे के ढेर और अस्वच्छ वातावरण से बीमारी फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। इसका असर केवल मंडी तक सीमित नहीं है, बल्कि आसपास संचालित होटल, दूध डेयरी और चाय की दुकानों पर भी पड़ रहा है। मंडी में नियमित सफाई नहीं होने से कचरा भी इधर-उधर फैला रहता है। बरसात या पानी गिरने की स्थिति में यह गंदगी और ज्यादा परेशानी पैदा करती है। नागरिकों का कहना है कि यह स्थिति लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन जिम्मेदार विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा।

निर्माण सिर्फ दिखावे के लिए

स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों का कहना है कि बाथरूम का निर्माण तो किया गया था, लेकिन कई वर्षों से उसकी सफाई और रखरखाव नहीं किया गया। गंदगी और बदबू के कारण लोग उसका उपयोग करने से बचते हैं, जिसके चलते मंडी परिसर में ही इधर-उधर गंदगी फैल रही है।मंडी परिसर में सार्वजनिक बाथरूम तो बना है, लेकिन कई वर्षों से उसकी नियमित सफाई और रखरखाव नहीं होने के कारण वह उपयोग के लायक नहीं रह गया है। बदबू और गंदगी के चलते लोग बाथरूम का उपयोग नहीं करते और आसपास ही गंदगी फैलाते हैं।

नियमित सफाई की उठ रही मांग

शुभम यादव,नितिन गौतम, एड शैलेश तिवारी, एड जे पी गुप्ता,अनिल कुशवाहा,अजय काछी का कहना है कि जब नगर पालिका इतनी नजदीक है, तब भी यदि सफाई व्यवस्था पर ध्यान नहीं दिया जा रहा, तो यह गंभीर लापरवाही का मामला है। उन्होंने मांग की है कि बाथरूम की नियमित सफाई, कचरा प्रबंधन और निगरानी व्यवस्था को तत्काल सुधारा जाए, ताकि आमजन को राहत मिल सके।

बच्चों की सफलता से गदगद हुए माता पिता व स्कूल

नवभारत, बेलखाडू। सफलता वही जो शोर मचा दे इसी कथन को ग्रामीण क्षेत्रों के शासकीय, अशासकीय स्कूली बच्चों ने कर दिखाया है। पिछले दिनों दसवीं बारहवीं के परीक्षा परिणाम घोषित हुए जिसमें बेलखाडू सहित आस पास के गांव के स्कूली बच्चों ने कमजोर पारिवारिक परिस्थितियों और सीमित शिक्षा संसाधनों के बीच भी अपनी पढ़ाई के लक्ष्य को विचलित नहीं होने दिया।

भविष्य में कुछ अच्छा कर गुजरने के उद्देश्य से बोर्ड शिक्षा विभाग की परीक्षाओं की तैयारियों में जुट रहे। जब परीक्षा परिणाम आए तो दसवीं,बारहवीं में अच्छे उच्च अंकों की सफलता ने माता पिता और स्कूलों का नाम रोशन किया। प्राचार्य बी आर परस्ते के अनुसार पीएमश्री स्कूल बेलखाडू का दसवीं का कुल 81 प्रतिशत एवं बारहवीं का कुल 89 प्रतिशत परीक्षा परिणाम आया है। बेलखाडू स्कूल प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार स्कूल में पढ़ने वाले कक्षा 12वीं की सिमी चौधरी के 87 प्रतिशत, आर्यन पटैल के 78 प्रतिशत, दीक्षा विश्वकर्मा के 78.2 प्रतिशत और नंदनी बर्मन के 91.2 प्रतिशत, पूर्णिता पटैल के 88 प्रतिशत अंक आए हैं। वहीं करारी स्कूल बेलखाडू के कक्षा दसवीं के छसत्र अनिकेत लोधी ने 92 प्रतिशत हासिल किए हैं। इन सभी छात्र-छात्राओं ने परिजनों के साथ स्कूल का गौरव बढ़ाया है।

रमनपुर गांव में हो रहा श्रीराम यज्ञ का आयोजन

अयोध्या के विवेक दास महाराज के सानिध्य में हो रहा कार्यक्रम, उत्साह से मनाया जा रहा श्री युगल सरकार प्रथम वर्षगांठ महोत्सव

सुकरी मंगेला, नवभारत। ग्राम पंचायत हुल्की के अंतर्गत ग्राम रमनपुर में श्री युगल सरकार मंदिर में प्रथम वर्षगांठ मनाई जा रही हैं जिसमें विराट श्री राम यज्ञ चारों वेद परायण ,श्री राम अखंड कीर्तन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। पूरा कार्यक्रम विवेक दास महाराज अयोध्या के सानिध्य में पूरा किया जा रहा है। 18 अप्रैल से 28 अप्रैल तक युगल सरकार मंदिर रमनपुर में धार्मिक आयोजन होंगे।

आयोजन कर्ताओं ने भक्तजनों से अपील की है कि वे कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर धर्म लाभ लें। श्रीराम यज्ञ में मुख्य यजमान रामभरोस चौकसे (रिटायर्ड ऑफिसर कमिश्नर कार्यालय जबलपुर),

पुष्पा चौकसे (रिटायर्ड अध्यापिका हाई स्कूल जबलपुर), विनोद चौकसे (संचालक मैसर्स प्रिंस ओटो पार्ट्स एंड प्रिंस मोटर्स भेड़ाघाट बाईपास जबलपुर), संध्या चौकसे, संतोष चौकसे (संचालक मैसर्स सौम्या कृषि केंद्र कालादेही एंड चौकसे कृषि फार्म रमनपुर, सुमिता चौकसे मौजूद रहेंगे।

बिना रजिस्ट्रेशन पैथोलॉजी, झोलाछाप डॉक्टर का सिहोरा में मकड़जाल

नवभारत, सिहोरा। इन दिनों जिले के ग्रामीण क्षेत्र सिहोरा में झोलाछाप डॉक्टरों का जाल फैला हुआ है,इतना ही नहीं लोगों का कहना है की कई पैथोलॉजी बिना रजिस्ट्रेशन के नियम विरुद्ध चल रहीं हैं, तो वहीँ क्षेत्र में यह भी चर्चा है की एक ऐसी फिजियोथेरेपी है जो एक ही रजिस्ट्रेशन से दो जगह चल रही है,इन सभी को लेकर जबलपुर के जब नए सीएमएचओ डॉक्टर नवीन कोठारी से दूरभाष में बात की गई तो उन्होंने साफ तौर पर कहा की आप लिखित शिकायत दे दो हम जांच करवा लेते हैं।

स्वास्थ विभाग को शिकायत का इंतजार

सिहोरा में नगर सहित उपनगर में झोलाछाप डॉक्टरों की दुकानें धड़ल्ले से चल रहीं हैं,नाम न बताने की शर्त पर लोगों ने बताया की अधिकांश पैथोलॉजी बिना रजिस्ट्रेशन के संचालित की जा रहीं हैं,

कितनी पैथोलॉजी के पास रजिस्ट्रेशन ?

नियमों की मानें तो पैथोलॉजी संचालित करने के लिए गुमास्ता लायसेंस ,पालुसन सहित रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट होना अनिवार्य होता है, लेकिन सिहोरा में अधिकांश पैथोलॉजी सेंटर ऐसे ही चल रही है,इनके पास न तो गुमास्ता लायसेंस है न ही पालुसन न ही रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट,नगर के जिम्मेदार नागरिकों ने इन पैथोलॉजी सेंटरों की जल्द से जल्द जांच करते हुए कार्यवाही की मांग की है,क्योंकि ज्यादातर डॉक्टर पैथोलॉजी से मिली रिपोर्ट के आधार पर इलाज करते हैं।

झोलाछाप डॉक्टरों की बाढ़

बताया जा रहा है की सिहोरा तहसील क्षेत्र में झोलाछाप डॉक्टरों की बाढ़ सी आ गई है, इतना ही नहीँ यहाँ पर कई तो बंगाल से आकर अपनी -अपनी दुकानें जमा चुके हैं जिनमे कोई ढाली तो मजूमदार है,इनमे से कोई अपने आपको होम्योपैथिक बताता तो कोई आयुर्वेदिक तो कोई यूनानी पद्धति बताते हैं ,लेकिन इनके पास एलोपैथिक पद्धति से इलाज करने की कोई डिग्री नहीँ है, लेकिन इलाज ये एलोपैथिक पद्धति से ही करते है।

क्या कहते हैं जिम्मेदार

इस बारे में आप लिखित में कंप्लेंट आप दे दीजिए उसके आधार पर सीबीएमओ से जांच करवा ली जाएगी

सी एम एच ओ जबलपुर नवीन कोठारी

स्वास्थ्य विभाग मेहरबान

वहीं चर्चा है की खितौला रेलवे फ़ाटक के समीप बंगाल के दो डॉक्टर अपनी -अपनी जड़ जमा चुके हैं, और नियम विरुद्ध मरीजों का अंग्रेजी दवाइयों से इलाज करते हुए इंजेक्शन और बॉटल भी लगाते है,एक तो जलंदर भंगदर बबासीर का खुलेआम बोर्ड लगाकर सर्जन बनकर इलाज कर रहा है,बताया जा रहा है की एक बार स्वास्थ्य विभाग द्वारा इन्हीं अवैध गतिविधियों के चलते इनकी क्लिनिक सील कर दी गई थी उसके तीन चार माह बाद फिर से इनकी दुकान को बहाल कर दिया गया ,जबकि ये कोई सर्जन नहीँ हैं उसके बावजूद भी ये बबासीर जलंधर भगन्दर का धड़ल्ले से इलाज कर रहे हैं ?क्योंकि इनके ऊपर स्वास्थ्य विभाग मेहरवान है,तब तो इनके पास एलोपैथिक पद्धति से इलाज करने की कोई डिग्री नहीँ है, उसके बावजूद इलाज ये एलोपैथिक पद्धति से ही कर रहे हैं।

नगर पालिका की अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कार्रवाई

हटाये दर्जनों अतिक्रमण दी हिदायत

नवभारत,सिहोरा। नगर क्षेत्रांतर्गत राजस्व विभाग,नगरीय निकाय एवं पुलिस विभाग के द्वारा संयुक्त रूप से प्रमुख मार्ग बाजार,स्कूल कॉलेज,बस स्टेण्ड, रेल्वे स्टेशन, सिविल कोर्ट चौराहा,ज्वाला माई रोड,कुर्रे रोड एवं अन्य प्रमुख स्थलों पर स्थाई तथा अस्थाई रूप से किये गये अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई. जिनमें पोस्ट ऑफिस तिराहा से खितौला मोड़ तक, खितौला मोड़ से खितौला बस स्टेण्ड तक, मृगनयनी रोड होते हुये काल भैरव चौक तक, गौरी तिराहा से मझौली बायपास तक, कालभैरव चौक होते हुये आजाद चौक तक,आजाद चौक से नये बस स्टेण्ड तक,जगमोहन पार्क से रेल्वे स्टेशन तक,नये बस स्टेण्ड से पुराने बस स्टेण्ड तक, सब्जी मण्डी रोड से अस्पताल तिराहा होते हुये बाबाताल के सामने तक के शामिल थे। विदित हो यातायात में बाधक बन रहे ।उपरोक्तानुसार मार्ग एवं स्थल पर स्थाई तथा अस्थाई रूप से स्थापित अतिक्रमण कारियों से पूर्व में अपील करने के साथ नोटिस भी दिए गए थे। कि अपने किये गये अतिक्रमण एवं अवैध निर्माण को स्वत: ही हटाकर निम्नानुसार स्थलों पर स्थानांतरित हो जावें साथ ही मुख्य मार्गों पर बसो, तथा आटो का ठहराव मात्र 2 मिनट का रहेगा एवं दो पहिया वाहनों को मुख्य मार्गों के किनारे अव्यवस्थित रूप से पाये जाने पर वाहनों को जप्त करते हुये पुलिस थाने भेज दिया जावेगा तथा वाहन मालिकों पर रू. 5000/- जुर्माना अधिरोपित किया जावेगा। अत: चार पहिया, तीन पहिया, चार पहिया एवं समस्त प्रकार के वाहन मार्ग पर खड़े न करें। इस कार्रवाई के दौरान नगर पालिका के अमले के साथ पुलिस बल भी बड़ी संख्या में मौजूद रहा।

जनगणना अधिकारियों ने लिया प्रशिक्षण का जायजा

नवभारत,सिहोरा । स्थानीय सामुदायिक भवन (वार्ड नंबर 11) स्थित जनगणना प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण करने जनगणना अधिकारियों की उच्च स्तरीय टीम पहुंची। इस दौरान अधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रगणकों और पर्यवेक्षकों से सीधा संवाद किया और प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त किया। मनोज नथानी भारत सरकार के मास्टर ट्रेनर (जबलपुर संभाग) मुख्य नगर पालिका अधिकारी जय श्री चौहान नगर पालिका के कर्मचारी

प्रशिक्षण फीडबैक और संवाद

अधिकारियों ने प्रशिक्षक संदीप तिवारी एवं अखिलेश मांझी द्वारा दिए जा रहे प्रशिक्षण का सूक्ष्मता से फीडबैक लिया। अधिकारियों ने प्रगणकों से जनगणना प्रक्रिया से संबंधित प्रश्न पूछे, जिसका प्रतिभागियों ने आत्मविश्वास के साथ उत्तर दिया। प्रगणकों ने बताया कि उन्हें बहुत ही सरल और प्रभावी ढंग से प्रशिक्षित किया गया है, जिससे वे जनगणना के तकनीकी पहलुओं को पूरी तरह समझ चुके हैं।

30 अप्रैल तक 'स्व-गणना' का आह्वान

उपस्थित अधिकारियों ने राष्ट्र निर्माण में जनगणना के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रगणकों को 'राष्ट्र निर्माण का आधार' बताया। उन्होंने सभी से अपील की कि वे अपने-अपने वार्डों में भ्रमण कर नागरिकों को 30 अप्रैल तक 'स्व-गणना' करने हेतु प्रेरित करें। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने जनगणना कार्य को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरी निष्ठा और शुद्धता के साथ पूर्ण करने का सामूहिक संकल्प लिया। इस अवसर पर जनगणना प्रभारी सुशील श्रीवास्तव सहित योगेंद्र मिश्रा, अमित श्रीवास्तव, धीरेंद्र पाण्डे, वृषभान सिंह, शोभना राजपूत, आराधना यादव, रोशनी चौरसिया, ज्योति हल्दकार, मंजू दुबे, ममता ठाकुर और श्वेता पांडे सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

क्षेत्र के दो उपार्जन केन्द्रों में खरीदी प्रारंभ

नवभारत,सिहोरा। मध्यप्रदेश शासन के तहत स्थापित गेहूं उपार्जन केदो में गेहूं खरीदी प्रक्रिया का शुभारंभ कर दिया गया है इसी क्रम में मझौली तहसील की सहजपुरा समिति के केंद्र क्रमांक 2 का शुभारंभ बघेली गांव स्थित हिमांशु वेयरहाउस में वही कछपुरा समिति के खरीदी केंद्र का मां अन्नपूर्णा वेयरहाउस सिलुवा में खरीदी प्रक्रिया का शुभारंभ

किया गया इस मौके प दिलीप पटैल समिति प्रबंधक राकेश दुबे रविशंकर श्रीवास्तव दीपक यादव नीरज यादव गोविंद पटेल रामप्रकाश यादव विकास खरे उमंग पालीवाल विनोद पटैल गौरव तिवारी हिमांशु, पटैल सत्येंद्र साहू सहित बहुत बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

मनमानी | मझौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की लापरवाही उजागर, सीएजी रिपोर्ट से हुआ चौंकाने वाला खुलासा, जिम्मेदार अधिकारी ने माना नहीं हुआ है रजिस्ट्रेशन...

नियमों को ताक रख बिना लाइसेंस चलाई जा रही एक्स-रे मशीन

मझौली, नवभारत। मध्यप्रदेश के स्वास्थ्य विभाग में बड़ी लापरवाही उजागर हुई है। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट ने चौंकाने वाले तथ्य सामने रखे हैं, जिनसे मरीजों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार मझौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 100 एमएम एक्स-रे मशीन बिना वैध लाइसेंस के संचालित पाई गई है जो कि सीधे तौर पर परमाणु ऊर्जा (विकिरण संरक्षण) नियम 2004 का उल्लंघन है।

वहीं इस संबंध में चीफ ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर, मझौली के डॉ. दीपक गायकवाड़ ने नवभारत से चर्चा के दौरान खुद माना है कि मझौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की

100 एमएम एक्स-रे मशीन का रजिस्ट्रेशन नहीं था। अब इस रजिस्ट्रेशन के लिए वे प्रयास कर रहे हैं। सीबीएमओ के अनुसार मशीन का लाइसेंस जरूरी नहीं होता है उसका रजिस्ट्रेशन महत्वपूर्ण होता है।

उठ रहे तमाम सवाल

जानकारी के अनुसार पूरे प्रदेश में स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। 38 स्वास्थ्य संस्थानों की जांच में 16 एक्स-रे मशीनें बिना लाइसेंस/ नवीनीकरण के संचालित होती मिलीं हैं और कई जगह एईआरबी लाइसेंस के लिए आवेदन तक नहीं किया गया है। सवाल ये खड़े हो रहे हैं कि जब इतने सालों तक बिना लाइसेंस मशीनें चलती रहीं, तो जिम्मेदार अधिकारी क्या कर रहे थे? स्थानीय ग्रामीण ये पूछने लगे हैं कि क्या अब कार्रवाई होगी या मामला फिर फाइलों में दबकर रह जाएगा।

कुछ इस तरह रहता है खतरा

बिना एईआरबी लाइसेंस मशीन चलाने से रेडिएशन का खतरा बढ़ता है। लंबे समय में कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का जोखिम बना रहता है और जांच की गुणवत्ता भी संदिग्ध रहती है।

इनका कहना है

सांसद राकेश सिंह द्वारा मझौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को 100 एमएम एक्स-रे मशीन दी थी जिसके उस समय कोई कागजात नहीं दिए गए थे। जिस कारण रजिस्ट्रेशन बगैर ही मशीन अभी तक संचालित हो रही थी। मशीन में एईआरबी रजिस्ट्रेशन जरूरी होता है जिसे कराने के लिए ऑनलाइन प्रयास किए जा रहे हैं।

डॉ. दीपक गायकवाड़, चीफ ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर, मझौली।